

**आमादगी स्त्री.** (फा.) 1. मौजूदगी 2. मुस्तैदी, तैयारी, तत्परता।

**आमादा वि.** (फा.) उद्यत, तत्पर, उतारू, तैयार।

**आमान्न पुं.** (तत्.) 1. पेट में पहुँचा हुआ अन्न 2. अधपका अन्न, कच्चा अन्न।

**आमापन पुं.** (तत्.) रसा. प्रतिदर्श में उपस्थित किसी पदार्थ की मात्रा का निर्धारण।

**आमाल पुं.** (अर.) कर्म, करनी, करतूत टि. 'अमल' का बहुवचन

**आमालनामा पुं.** (अर.) कार्य-पंजिका, वह रजिस्टर जिसमें नौकरों के चाल-चलन और कार्य करने की योग्यता आदि का विवरण रहता है।

**आमावास्य वि.** (तत्.) अमावस्या से संबंधित।

**आमाशय पुं.** (तत्.) प्राणि., आयु. कशेरुकी प्राणियों के आहारतंत्र का वह भाग जो घ्रास नली के अंत से लेकर ग्रहणी के आरंभ तक होता है।

**आमाशय शोथ पुं.** (तत्.) दे. जठर शोथ।

**आमाहल्दी स्त्री** (तद्.) आयु. एक पौधा या पौधे की जड़ जो हल्दी के रंग की होती है, इसका लेप चोट के लिए लाभकारी होता है।

**आमिक्षा स्त्री.** (तत्.) फटे हुए दूध का ठोस भाग, छेना।

**आमिन स्त्री.** (देश.) आम फल की एक प्रजाति, जो छोटी और बहुत मीठी होती है।

**आमिर पुं.** (अर.) अधिकारी, हाकिम। **वि.** हुक्म देने वाला।

**आमिल वि.** (अर.) 1. काम करने वाला, अनुष्ठान करने वाला 2. कर्तव्यपरायण 3. अमल करने वाला (कर्मचारी) पुं. 1. मुस्लिम ओझा 2. अधिकारी, हाकिम 3. साधक, सिद्ध प्रयो. वह आमिल से ताबीज लेकर अपने भविष्य के प्रति आश्वस्त हो चुकी थी।

**आमिश्र वि.** (तत्.) पूरी तरह मिलाया हुआ, आपस में मिलाया हुआ।

**आमिष पुं.** (तत्.) 1. मांस, गोश्त 2. भोग्य वस्तु 3. लोभ 4. प्रिय या मनोहर वस्तु 5. जंबीरी वस्तु।

**आमिषप्रिय वि.** (तत्.) मांसाहारी, मांस का भोजन पसंद करने वाला, गोश्त खाने का शौकीन।

**आमिषाशी पुं.** (तत्.) मांसाहारी।

**आमी अव्य.** (अर.) दे. आमीन।

**आमी स्त्री.** (तद्.) 1. अँबिया, छोटा आम 2. एक पहाड़ी पेड़ जिसकी पतली टहनियों से टोकरियाँ आदि बनाई जाती हैं 3. जौ और गेहूँ की भुनी हुई बाली।

**आमीन अव्य.** (अर.) तथास्तु, ईश्वर ऐसा ही करे।

**आमीलन पुं.** (तत्.) आँखें बंद करने या सोने की क्रिया।

**आमुक्त पुं.** (तत्.) 1. मुक्त किया हुआ 2. फेंका हुआ।

**आमुक्ति स्त्री.** (तत्.) मोक्ष क्रि.वि. मुक्ति मिलने तक।

**आमुख पुं.** (तत्.) 1. भूमिका, प्रस्तावना 2. नाटक का आरंभिक अंग।

**आमुख कथा स्त्री.** (तत्.) दे. आवरण कथा।

**आमुष्मिक वि.** (तत्.) परलोक संबंधी, दूसरे लोक का, पारलौकिक पुं. दूसरे लोक का निवासी, पारलौकिक व्यक्ति।

**आमुष्मिकी स्त्री.** (तत्.) दूसरे लोक की निवासिनी, परलोक की स्त्री।

**आमूल क्रि.वि.** (तत्.) 1. आरंभ से अब तक, आद्यंत 2. जड़ से।

**आमूलपरिवर्तनवाद पुं.** (तत्.) [आमूल+परिवर्तन+वाद] संपूर्ण परिवर्तनवाद, राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक आदि सभी व्यवस्थाओं में, आग्रह पूर्ण, परिवर्तनवाद।

**आमेज़ प्रत्य.** (फा.) मिला हुआ, युक्त टि. समासांत में प्रयुक्त जैसे- रंग आमेज़, रंग मिला हुआ, रंग मिलाने वाला।